उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
13/II वसंत विहार, देहरादून

2. विभाग द्वारा प्रस्तावित (वर्ष 2017–18) प्रत्येक योजना के सम्बन्ध में सूचना :–

(धनराशि हजार में)

योजना का नाम	योजना का उददेश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजेक्टड) आउटपुर		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टड) आउटकम	समय सीमा
(1)	(2)	(3)		(4)		(5)	(6)	(7)
अ	वैज्ञानिक योजनाएं	नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान			
डिजिटल डेटाबेस क्रिएशन (1:50000)–(1:10000)	• उत्तराखण्ड जियोस्पाशियल सर्विसेज पोर्टल का सृजन। • राज्य में जनपद/ब्लॉकवार विविध सूचनाओं यथा – भू–उपयोग, शहरी विकास, आधारभूत संरचनाओं, जल संसाधनों, भू–अपघटन, वन घनत्व/प्रकार आदि का विभिन्न स्केलों पर सृजन किया जाएगा। • उक्त डेटाबेस का उपयोग राज्य के विकास एवं नियोजन कार्यो में करने हेतु वेब आधारित सूचना तंत्र सृजित किये जायेगें।	–	1000.00	–	1000.00		1000.00	
डेटा मैप लाइब्रेरी (एटलस क्रिएशन, डेटा रिपोजिटरी) एण्ड विजुअल इन्टरप्रिटेशन/इमेज प्रोसेसिंग लैब	• केन्द्र में रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस. उपयोग हेतु आधुनिक सॉफ्टवेयर तथा हार्डवेयर की उपलब्धता एवं उच्चीकरण व्यवस्था एटलस सृजन, डेटा रिपोजिट्री एवं भौतिक संसाधनों की उपलब्धता।	–	300.00	–	300.00		300.00	
लैण्ड यूज एण्ड रूरल/ अरबन प्लानिंग	• मल्टी–टेम्पोरल सैटेलाइट डेटा के उपयोग से 1:50000 व 1:10000 स्केल पर प्रत्येक पूच वर्ष के अन्तराल में राज्य का भू–उपयोग तथा भू–आवरण, भू–अपघटन तथा परतभूमि मानचित्र तैयार करना तथा उनमें आये बदलावों का अध्ययन करना। • हाई रेजोल्यूशन सैटालाइट डेटा से राज्य के प्रमुख शहरों/नगरों की लार्ज स्केल मैपिंग करना तथा उपलब्ध भू–रिकार्डो तथा मल्टी–टेम्पोरल, उपग्रह आंकड़ों की मदद से शहरी क्षेत्रों में हो रहे विस्तार का मानचित्र तैयार करना। इसके अन्तर्गत देहरादून एवं जोशीमठ नगर क्षेत्र की मैपिंग की जा रही है।	–	1500.00	–	1500.00		1500.00	
वाटर रिर्सोस मैनेजमेन्ट	• यमुना बेसिन के 17 जलागम क्षेत्रों में वाटरशेड प्राइटाइजेशन करना। देहरादून जनपद के चकराता, कालसी व विकासनगर क्षेत्र में विलुप्त हो रहे जल संसाधनों के कारणों का अध्ययन करना।	–	1500.00	–	1500.00		1500.00	
स्नो–ग्लैशियर	• अलकनन्दा बेसिन के ग्लेशियर के मान बैलेन्स स्टडी। • स्प्रिंग मैपिंग एवं मैनेजमेन्ट • ग्लेशियर लेक्स की स्थिति व आयतन का अध्ययन। • अलकनन्दा, भागीरथी, यमुना, घौलीगंगा बेसिन में हिम अच्छादित क्षेत्रों का अध्ययन करना।	–	300.00	–	300.00		300.00	
नेचुरल रिर्सोस मैनेजमेन्ट	• उच्च विभेदी सैटैलाइट डेटा के उपयोग से राज्य के प्राकृतिक संसाधनों	–	800.00	–	800.00		800.00	

(एन्वायमेन्ट मैनेजमेंट स्टडीज)	का उच्च पैमाने पर मानचित्रीकरण। • बहु–सामयिक सैटेलाइट डेटा का प्रयोग करके प्राकृतिक संसाधनों का समयावधि अनुश्रवण। • संवेदनशील जलागम क्षेत्रों का चिन्हीकरण तथा प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक ढंग से उपयोग तथा प्रबंधन हेतु जियोस्पाशियल डेटाबेस तैयार करना।							
वानिकी–पारिस्थितिकीय एवं जलवायु परिवर्तन	• राज्य में स्थित वन क्षेत्रों, वन प्रकारों एवं वन घनत्व का मानचित्रीकरण करना। • उच्च हिमालयी क्षेत्रों में वनस्पति पर पड़ रहे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन। • राज्य के उच्च हिमालयी क्षेत्रों के विभिन्न पारिस्थितिकीय तंत्रों में पादप जैव भार व कार्बन उत्सर्जन का आंकलन कर जियोस्पाशियल डेटाबेस तैयार करना। • वनाग्नि का अनुश्रवण एवं वनाग्नि के लिये डेन्जर रेटिंग तंत्र तैयार करना।	–	800.00	–	800.00		800.00	
एग्रीकल्चन एण्ड हार्टीकल्चर	• उत्तराखण्ड राज्य के लिए कटाई से पूर्व गेहू के पैदावार तथा क्षेत्रफल का आंकलन। • विगत 10 वर्षो में गेहूं फसल की उत्पादकता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन। • ऊधमसिंह नगर जनपद में मल्टी–टेम्पोरल सैटेलाइट डेटा के उपयोग से विगत 25 वर्षो में कृषि भूमि में आये बदलावों का अध्ययन किया जायेगा। • हाई रेजोल्यूशन सैटेलाइट डेटा के उपयोग से राज्य के समस्त 13 जनपदों में फ्रूट बेल्ट' का चिन्हांकन कर मानचित्रीकरण करना। • राज्य के अल्मोड़ा, पौड़ी, टिहरी जनपदों में नगदी फसलों (मंडुवा) आदि का मानचित्रीकरण करना।	–	800.00	–	800.00		800.00	
आपदा प्रबन्धन	• राज्य में आपदा प्रबन्धन में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों पर आधारित अध्ययन हेतु आपदा प्रबन्धन सैल का गठन किया गया है, जिसमें विषय विशेषज्ञों एवं नवीनतम सेटेलाइट डेटा, साफ्टवेयर एवं तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है। इसके तहत राष्ट्रीय स्तर पर संचालित इमरजेन्सी मैनेजमेंट फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट प्रोग्राम को राज्य स्तर पर संचालित करने हेतु राज्य में डिजिटल वॉलियन्टियर्स तैयार किये जायेगें।	–	1500.00	–	1500.00		1500.00	
साइंस ऑफ सर्वाइवल	• साइंस ऑफ सर्वाइवल कार्यक्रम के तहत राज्य के समस्त जनपदों के स्कूलों में विद्यार्थियों को विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से आपदा प्रबन्धन की विस्तृत जानकारी प्रदान की जायेगी।	–	300.00	–	300.00		300.00	

ऐसेसमेन्ट ऑफ कोर्डिसेप्स साईनेन्सिस (कीड़ा–जड़ी) हेबिटेट इन उत्तराखण्ड	• कोर्डिसेप्स साईनेन्सिस (कीड़ा–जड़ी) हेतु हेबिटेट मैपिंग	–	300.00	–	300.00		300.00	
जियोस्पाशियल डेटाबेस फॉर टूरिस्ट प्लेसेस इन उत्तराखण्ड	• राज्य में स्थित तीर्थ/पर्यटन स्थलों का मानचित्रीकरण करना।	–	300.00	–	300.00		300.00	
उत्तराखण्ड पंचायत पोर्टल	• केन्द्र द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में पंचायत/ग्राम स्तरीय नियोजन हेतु राज्य की आधारभूत संरचनाओं, सुविधाओं की मैंपिंग हाई रिजोलेशन सेटेलाइट डेटा के उपयोग से 1:4000 स्केल पर आरम्भ की गयी है। इन सूचनाओं को पंचायत व ग्राम स्तर पर स्थानीय लोगों के उपयोगार्थ पंचायत पोर्टल का सृजन किया जायेगा। इसके अर्न्तगत कालसी पंचायत पोर्टल स्टडी के तौर पर कार्य किया जा रहा है।	–	300.00	–	300.00		300.00	
टेक्नोलाजी इन्क्यूबेशन सैल	• केन्द्र में इन्क्यूबेशन सैल का गठन किया गया है, जिसमें थीम बेस्ड मोबाइल ऐप्स, टेक्नोलॉजी इनेबल्ड एप्लीकेशंस डेवेलपमेंट एवं डेटा मैनेजमेंट एण्ड डिलीवरी सिस्टम इत्यादि का सृजन किया जायेगा।	–	3500.00	–	3500.00		3500.00	
वेब आधारित डिसीजन सर्पोट सिस्टम	• केन्द्र द्वारा विभिन्न विषयों पर वेब डिसीजन सर्पोट सिस्टम तैयार करना। • राज्य के प्रमुख शहरों/नगरों के लिए वैब आधारित सिटी इन्फोमेशन सिस्टम सृजित करना। इसके अंतर्गत कोटद्वार के लिए 'ई–कोटद्वार' वैब पोर्टल तैयार किया जा रहा है।	–	500.00	–	500.00		500.00	
ट्रैनिंग आन आर.एस./जी.आई.एस.	• रेखीय विभागों, विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों तथा तकनीकी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के क्षमता संवर्धन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।	–	1500.00	–	1500.00		1500.00	
इन–हाउस–आर एण्ड डी. कैपेसिटी बिल्डिंग	• राज्य के विभिन्न इंजीनियरिंग कालेज, विश्वविद्यालयों के छात्र–छात्राओं को विभिन्न प्रकार के दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन प्रशिक्षण प्रदान करना।	–	2000.00	–	2000.00		2000.00	
	कुल		17200.00		17200.00		17200.00	
ब	आवर्तक व्यय							
प्रशासन एवं निर्देशन	• इस मद के अंतर्गत केन्द्र के समस्त आवर्तक व्ययों यथा – वेतन, भत्ते, भवन किराया, परिवहन, यात्रा भत्ता, कार्यालय अपकीप एवं मैन्टीनेन्स आदि व्ययों के वहन हेतु	–	23000.00	–	23000.00		23000.00	
सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर का क्रय	• केन्द्र की प्रयोगशालाओं एवं विभिन्न वैज्ञानिक परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु आधुनिकतम सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर के क्रय की आवश्यकता होती है।	–	3500.00	–	3500.00		3500.00	
	कुल		26800.00		26800.00		26800.00	

स								
अनुदान संख्या 23, आयोजनागत, 4859 दूर संचार, 02 इलेक्ट्रोनिक, 800 अन्य व्यय, 11 उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र का भवन निर्माण, 35 पूंजीगत परिसम्पतियों के सृजन हेतु अनुदान								
कार्यालय भव, प्रयोगशाला आदि का निर्माण								
उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र भवन एवं परिसर निर्माण	• केन्द्र को जिला प्रशासन द्वारा डाण्डा–लखौण्ड क्षेत्र में 2 एकड़ भूमि आवंटित हुई है जिसमें कार्यदायी संस्था द्वारा भवन निर्माण का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। अनुबन्ध की शर्तानुसार कार्यदायी संस्था को शेष धनराशि का भुगतान किया जाना।	–	30000.00	–	30000.00		30000.00	
	कुल		30000.00		30000.00		30000.00	
	महायोग (अ +ब + स)		74000.00		74000.00		74000.00	

3. विभाग के किये गये सुधारात्मक कार्य तथा नीतिगत पहल (Initiatives)

➢ निर्धारित आउटपुट/आउटकम को प्राप्त करने हेतु दक्षता वृद्वि एवं उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु किये गये उपाय, अधिकारों का विकेन्द्रीकरण तथा पी.पी.पी. परियोजनाओं का विशेष उल्लेख किया जाना है।

– केन्द्र में पी.पी.पी. मोड में कोई भी परियोजना संचालित नहीं है।

4. गत वर्ष की परफॉरमेन्स की समीक्षा।

➢ योजनावार निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष पूर्ति के विवरण (वर्ष 2016–17)

योजना का नाम	योजना का उददेश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजेक्टड) आउटपुर		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टड) आउटकम	समय सीमा
(1)	(2)	(3)		(4)		(5)	(6)	(7)
अ	वैज्ञानिक योजनाएं	नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान			